हमे जिदंगी से फुरसत ना हुई ना है ना होगी
कभी दूर ये मुसीबत ना हुई ना है ना होगी

1--तेरे नक्शे प्यारे प्रीतम जो गिरे थे सिजदे में हम
.किसी और की इबादत ना हुई ना है ना होगा

2--तेरे इश्क से बगावत ना हुई ना है ना होगी
किसी और से मुहब्बत ना हुई ना है ना होगी

3--तेरे प्यार में प्रीतम जो लगाए जां की बाजी
किसी और में ये ताकत ना हुई ना है ना होगी

4--रहे जिंदगी में शामिल ये शरीके गम के साये
हमें फूलों से मुहब्बत ना हुई ना है ना होगी

Nijanand App